हिंदी पखवाड़ा २०२५

रश्मिरथी के विशेष खंड कृष्ण की चेतावनी का किया सस्वर पाठ

जागरण संवाददाता, रांची : आइआइएम रांची में हिंदी पखवाड़ा 2025 के तहत राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 117वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर दिनकर की कृतियों के पाठ और उनके जीवन व विचारों पर विमर्श किया गया। जयंती विशेष कार्यक्रम में दिनकर की अमर कृति रश्मिरथी का पाठ हुआ। अतिथि वक्ता के रूप में हिंदी विभाग, गोस्सनर कालेज रांची के सहायक प्राध्यापक डा. प्रशांत गौरव ने रश्मिरथी के विशेष खंड कृष्ण की चेतावनी का सस्वर पाठ किया और उसके भावार्थ को श्रोताओं के समक्ष विस्तारपूर्वक रखा।

उन्होंने बताया यह खंड न केवल महाभारत के संघर्ष को प्रस्तुत करता है बल्कि आज के समय में भी न्याय, नैतिकता और कर्तव्य के संदेश को प्रासंगिक बनाता है। कार्यक्रम के दौरान दिनकर की अन्य कविताओं, निबंधों और उनके साहित्यिक योगदान पर भी चर्चा की गई। डा. गौरव ने दिनकर के साहित्य में ओज, शौर्य और राष्ट्रीय चेतना का समन्वय होने की बात कही। साथ ही उनकी कृतियों ने स्वतंत्रता आंदोलन के समय कैसे देशवासियों में जोश और आत्मबल का संचार किया और आज भी उनकी कविताएं समाज को प्रेरित करती हैं, पर अपनी बातें रखी। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सत्याम ने रामधारी सिंह दिनकर के जीवन संघर्ष और उनकी कविताओं को साहित्यिक अभिव्यक्ति और समाज के लिए आज भी प्रासंगिक बताया। समापन सत्र में डीन (कार्यकारी शिक्षा एवं परामर्श) प्रो. अमित सचान ने डा. प्रशांत गौरव को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। प्रो. सचान ने हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत हो रहे आयोजनों को साहित्यिक आयोजन, भाषा उन्नति और सांस्कृतिक चेतना के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर आइआइएम रांची के संकाय सदस्य, छात्र-छात्राएं और कर्मचारी उपस्थित रहे।

Dainik Jagran_24.09.2025_P. I

आईआईएम में रामधारी सिंह 'दिनकर' की 117वीं जयंती मनी

सिटी रिपोर्टर • आईआईएम रांची में हिंदी पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत राष्ट्रीय कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की 117वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर दिनकर की कृतियों के पाठ और उनके जीवन व विचारों पर विमर्श किया गया। अतिथि वक्ता गोस्सनर कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रशांत गौरव ने 'रश्मिरथी' का पाठ किया।

Dainik Bhaskar_24.09.2025_P. 4

आईआईएम के छात्रों को दिनकर की कृतियां सुनाईं

रांची, विसं। आईआईएम में हिंदी पखवाड़ा के तहत मंगलवार को रामधारी सिंह दिनकर की 117वीं जयंती मनाई गई। इसमें दिनकर की कृतियों का पाठ और उनके विचारों पर विमर्श किया गया। अतिथि वक्ता गोस्सनर कॉलेज के हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ प्रशांत गौरव ने दिनकर की कृति रश्मिरथी के विशेष खंड- कृष्ण की चेतावनी का पाठ किया और उसके भावार्थ को समझाया। उन्होंने बताया कि यह खंड न सिर्फ महाभारत के संघर्ष को प्रस्तुत करता है, बल्कि आज के समय में भी न्याय, नैतिकता और कर्तव्य के संदेश को प्रासंगिक बनाता है।

कार्यक्रम के दौरान दिनकर की अन्य कविताओं, निबंधों और उनके साहित्यिक योगदान पर भी चर्चा की गई। डॉ गौरव ने दिनकर के साहित्य में ओज, शौर्य और राष्ट्र चेतना का समन्वय होने की बात कही।

Hindustan_24.09.2025_P. 11

आइआइएम : राष्ट्रीय कवि की 117वीं जयंती मनी

रांची. आइआइएम रांची में हिंदी पखवाड़ा के तहत राष्ट्रीय कवि रामधारी सिंह दिनकर की 117वीं जयंती मनायी गयी. जयंती विशेष कार्यक्रम में दिनकर की अमर कृति 'रश्मिरथी' का पाठ हुआ. हिंदी विभाग, गोस्सनर कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ प्रशांत गौरव ने 'रश्मिरथी' के विशेष खंड "कृष्ण की चेतावनी" का सहस्वर पाठ किया. उन्होंने बताया कि यह खंड न केवल महाभारत के संघर्ष को प्रस्तुत करता है, बल्कि आज के समय में भी न्याय, नैतिकता और कर्तव्य के संदेश को प्रासंगिक बनाता है. कार्यक्रम समन्वयक प्रो सत्याम ने दिनकर की कविताओं को साहित्यिक अभिव्यक्ति और समाज के लिए आज भी प्रासंगिक बताया.

Prabhat Khabar_24.09.2025_P. 9